अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड 3, अंक 3, जुलाई - सितम्बर 2025

विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन

लोकेश्वरी तिवारी[1], डा. सरोज नैय्यर[2]

[1]शोधार्थी, शिक्षा संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़
[2]सहायक प्राध्यापक, शिक्षा संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययनकरना है। इस अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों (50 छात्र एवं 50 छात्राओं) को न्यादर्श के रूप में लिया गया है।आकड़ों के संकलन के लिए उपकरण के रूप में विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर के मापन हेतु उपाध्याय द्वारा निर्मित सामाजिक-आर्थिक स्तर मापनी एवं समायोजन के मापन हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन परीक्षण का उपयोग किया गया है। सांख्यिकी विश्लेषण हेतु सहसंबंध परीक्षण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में पाया गया कि छात्र तथा छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य धनात्मक संबंध है जो यह प्रदर्शित करता है कि जिन विद्यार्थियों में सामाजिक-आर्थिक स्तर अच्छा होता है वे विद्यार्थी बेहतर समायोजन कर पाते है।इस अध्ययन से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को समायोजन में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि उच्च आर्थिक स्तर के विद्यार्थी अपेक्षाकृत बेहतर समायोजन कर पाते हैं।

मुख्य शब्द-सामाजिक-आर्थिक स्तर, समायोजन, विद्यार्थी

परिचय

शिक्षा किसी भी समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास की रीढ़ होती है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी न केवल अपने व्यक्तिगत विकास की ओर अग्रसर होते हैं, बल्कि वे समाज की संरचना एवं आर्थिक व्यवस्था को भी प्रभावित करते हैं। विद्यार्थियों का आर्थिक-सामाजिक स्तर उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक समायोजन, तथा जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड 3, अंक 3, जुलाई - सितम्बर 2025

समाज में विभिन्न आर्थिक स्तरों के परिवार होते हैं, जिनका प्रभाव बच्चों की शिक्षा, उनकी सोचने-समझने की क्षमता, आत्म-विश्वास, तथा सामाजिक व्यवहार पर पड़ता है। आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों के विद्यार्थी आमतौर पर बेहतर शैक्षिक संसाधन प्राप्त करते हैं, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थी कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। यह असमानता विद्यार्थियों के समायोजन भी प्रभावित करती है, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान, और सामाजिक संबंधों पर प्रभाव पड़ सकता है।

सामाजिक-आर्थिक स्तर

सामाजिक-आर्थिक स्तर किसी व्यक्ति या परिवार की आर्थिक स्थिति, शिक्षा, पेशा और सामाजिक प्रतिष्ठा का एक समग्र मापक होता है, जो समाज में उनकी स्थिति को निर्धारित करता है। यह स्तर मुख्य रूप से तीन वर्गों - उच्च, मध्यम और निम्न में विभाजित किया जाता है, जो व्यक्ति की आय, संपत्ति, शिक्षा और पेशे के आधार पर तय होता है। उच्च आर्थिक स्तर वाले परिवारों के पास बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ और सामाजिक अवसर होते हैं, जबकि निम्न आर्थिक स्तर के लोग कई प्रकार की चुनौतियों, जैसे - शैक्षिक संसाधनों की कमी, वित्तीय अस्थिरता और सामाजिक असमानता का सामना करते हैं। यह स्तर न केवल व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है, बल्कि उनके समायोजन, आत्मविश्वास और समाज में भागीदारी की क्षमता को भी निर्धारित करता है।

समायोजन

समायोजन वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने वातावरण, सामाजिक परिस्थितियों और आंतरिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने व्यवहार को अनुकूलित करता है। यह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। एक सफल समायोजन का अर्थ है कि व्यक्ति अपने परिवेश के साथ सहज रूप से तालमेल बिठा सके, तनाव और चुनौतियों का प्रभावी समाधान खोज सके, तथा सकारात्मक संबंध स्थापित कर सके। समायोजन की प्रक्रिया में व्यक्ति की पारिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक-सामाजिक स्तर, व्यक्तिगत अनुभव और मानसिक दृढ़ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि समायोजन में कठिनाई आती है, तो व्यक्ति मानसिक तनाव, आत्मविश्वास की कमी और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं का सामना कर सकता है।

इस अध्ययन की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक समायोजन का भी एक महत्वपूर्ण घटक है। यदि विद्यार्थी अपने सामाजिक परिवेश में सहजता से समायोजित नहीं हो पाते, तो इससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और भविष्य के लक्ष्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस अध्ययन के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया जाएगा कि आर्थिक-सामाजिक स्तर किस प्रकार विद्यार्थियों के समायोजन को प्रभावित करता है, और क्या शैक्षिक संस्थाएं इस असमानता को कम करने में कोई भूमिका निभा सकती हैं।

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड 3, अंक 3, जुलाई - सितम्बर 2025

संबंधित शोध अध्ययन

राम एवं कुमारी (2020) ने सरकारी विद्यालयों के बच्चों के शैक्षणिक विकास में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का प्रभाव पर अध्ययन किया। अध्ययन में साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग कर बोकारों शहर के 4 विद्यालयों से 100 बच्चों का चुनाव उद्देश्यपूर्ण निर्देशन द्वारा किया गया। अध्ययन में पाया गया कि पारिवारिक वातावरण के साथ साथ विद्यालय के वातावरण और संगठन का प्रभाव बच्चों के शैक्षणिक विकास पड़ता है।

सिंह एवं मणिमाला (2017) ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर के सन्दर्भ में उनके समायोजन क्षमता का अध्ययन किया। अध्ययन में प्रयागराज जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा-9 एवं 10 के 169 छात्र-छात्राओं का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है। उपकरण के रूप में सुनील कुमार उपाध्याय एवं अल्का सक्सेना द्वारा निर्मित 'उपाध्याय-सक्सेना सोशियो-इकॉनोमिक स्टेट्स स्केल' एवं डॉ. ए0 के0 पी0 सिंह और डा0 आर0 पी0 सिंह के समायोजन सूची का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रसरण (एनोवा) सांख्यिकी विधि एवं टी-अनुपात का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष में पाया गया कि सामाजिक-आर्थिक स्तर के सन्दर्भ में विद्यार्थियों के संवेगात्मक, सामाजिक एवं शैक्षिक के साथ-साथ सम्पूर्ण समायोजन में भिन्नता प्राप्त हुयी।

आलम (2018) ने माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन किया, इस हेतु अलीगढ़ जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के सरकारी व निजी विद्यालयों से 220 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। आंकड़ो के संग्रह हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि लिंग, स्थान, विषय एवं शालेय प्रकार के संदर्भ में विद्यार्थियों के समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर होता है।. देविका (2014) नें माध्यमिक स्तर के बालक बालिकाओं के मध्य समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन किया, इस हेतु चार आयाम गृह, सामाजिक, शैक्षिक एवं वित्तीय समायोजन को लिया गया। अध्ययन हेतु तिरूवनन्त पुरम जिले के 275 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। आकड़ो के संग्रह हेतु शोधकर्ता द्वारा निर्मित समायोजन मापनी का प्रयोग किया गया। आकड़ो के विश्लेषण हेतु प्रतिशत विश्लेषण एवं टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। अध्ययन में पाया गयाकि माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में समायोजन औसत होता है, छात्र एवं छात्राओं के संवेगात्मक समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया।

उद्देश्य

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सह-सम्बन्ध का अध्ययन करना।

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड 3, अंक 3, जुलाई - सितम्बर 2025

परिकल्पनाएँ

a. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।
b. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

अध्ययन की परिसीमाएँ

a. अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक सीमित है।
b. अध्ययन में न्यादर्श हेतुरायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों (50 छात्र एवं 50 छात्राओं) तक सीमित है।
c. प्रस्तुत अनुसंधान केवल कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के अध्ययन तक ही सीमित है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध सर्वेक्षण विधि पर आधारित है।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के अंतर्गत संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श

न्यादर्श का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है। अध्ययन हेतु 100 (50 छात्र एवं 50 छात्राएं) विद्यार्थियों कों न्यादर्श के रूप में लिया गया है।

उपकरण

आकड़ों के संकलन के लिए उपकरण के रूप में विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर के मापन हेतु उपाध्याय द्वारा निर्मित सामाजिक-आर्थिक स्तर मापनी एवं समायोजन के मापन हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन परीक्षण का उपयोग किया गया है।

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड 3, अंक 3, जुलाई - सितम्बर 2025

सांख्यिकीय विश्लेषण

परीक्षण के लिए प्राप्त प्राप्तांकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीक सह-सम्बन्ध का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सह-सम्बन्ध की गणना हेतु तालिका

क्रमांक	चरों का विवरण	प्रदत्तों की संख्या	सह–सम्बन्ध मान (r)	सार्थकता स्तर
1	सामाजिक–आर्थिक स्तर	50	0.272	0.05स्तर पर सार्थक
2	समायोजन	50		

(df = 98)

तालिका में स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सह-संबंध मान 0.272 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थकहै। अतः छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य धनात्मक सह-सम्बन्ध पाया गया है। इस प्रकार परिकल्पना ‘‘उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा’’ अस्वीकृत की जाती है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध की गणना हेतु तालिका

क्रमांक	चरों का विवरण	प्रदत्तों की संख्या	सह–सम्बन्ध मान (r)	सार्थकता स्तर
1	सामाजिक–आर्थिक स्तर	50	0.295	0.05 स्तर पर सार्थक
2	समायोजन	50		

(df = 98)

अमृत काल
अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीक्षित एवं स्वीकृत शोध पत्रिका
ISSN: 3048-5118, खंड 3, अंक 3, जुलाई - सितम्बर 2025

तालिका में स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सह-संबंध मान 0.295 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थकहै। अतः छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य धनात्मक सह-सम्बन्ध पाया गयाहै। इस प्रकार परिकल्पना ‘‘उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा‘‘ अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन में पाया गयाकि छात्र तथा छात्राओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं समायोजन के मध्य धनात्मक संबंध है जो यह प्रदर्शित करता है कि जिन विद्यार्थियों में सामाजिक-आर्थिक स्तर अच्छा होता है वे विद्यार्थी बेहतर समायोजन कर पाते हैं। इस अध्ययन से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को समायोजन में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि उच्च आर्थिक स्तर के विद्यार्थी अपेक्षाकृत बेहतर समायोजन कर पाते हैं।

संदर्भित ग्रंथ सूची

[1]. सिंह, आर. एवं मणिमाला (2017). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर के सन्दर्भ में उनके समायोजन क्षमता का अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साईंटिफिक रिसर्च इन साईंस एंड टेक्नोलॉजी 3(7), 1414-1421.

[2]. राम, बी. एवं कुमारी, एस. (2020). सरकारी विद्यालयों के बच्चों के शैक्षणिक विकास में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का प्रभाव पर अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसच इन सोशलसाईंस, 10(2), 260-277.

[3]. देविका, आर. (2014). माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन, आई. मैनेजन जर्नल ऑफ एजुकेशन साइकोलॉजी, 7(3), 18-22

[4]. आलम, एम. (2018). विद्यार्थियों के समायोजन पर एक अध्ययन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च, 6(1), 47-55